ENLIGHTENED INDIA
FOUNDATION

PRESS RELEASE

New Survey Reveals Middle School Mathematics Crisis, Gender Gap in Learning and the Academic Resilience of Kangra's Government Schools

DHARAMSHALA, H.P.

The Enlightened India Foundation has released the full findings of its Kangra Rural Learning Assessment 2026 to the public. Based on direct field assessments of 200 children across 20 villages in the Kangra district, the report has been presented to state and district stakeholders to spark an evidence based community dialogue on the realities of rural education.

'We have presented this data to officials to ensure it reaches decision makers, but our ultimate goal is for the community to recognize these trends. Our survey shows that while children are physically in the classroom, they are losing ground in conceptual understanding, particularly in mathematics, by the time they reach middle school. Crucially, the data proves that government schools serve as the critical backbone of education, especially for rural girls, and possess immense institutional strength that deserves our full recognition and support,' said Smita Choudhary, Lead Researcher & President.

Key Findings:

- **Grade Level Conceptual Expectations:** Only 35% of surveyed children met conceptual expectations simultaneously across all three core subjects of English, mathematics, and science.
- **Middle School Mathematics Gap:** A sharp conceptual decline occurs in mathematics across the board during the upper primary transition of Grades 6 through 8. This collapse is deeply gendered, with female competency dropping to a critical 17% during this stage, compared to 47% for boys.
- **Household Investment Bias:** Families heavily favor male children regarding private education and supplementary support. The survey indicates 77% of boys attend private schools versus just 56% of girls, and boys receive private tutoring at significantly higher rates (33.7% compared to 24.3% for girls).
- **Government School Reliance:** The gender bias in household educational spending forces a heavy reliance on state education for girls, who account for 71% of government school enrollment in the surveyed sample.
- **Government School Resilience:** Despite serving a less resourced demographic, government schools demonstrate clear academic strength. While private schools hold a large advantage in English proficiency (85% versus 58%), government school students perform nearly on par with their private school peers in both mathematics (42% versus 46%) and science (65% versus 69%).

Enlightened India Foundation
Registered Non-profit Trust

NGO DARPAN ID:
UP/2022/0314311

Website:
www.enlightenedindia.org
E-mail:
contact@enlightenedindia.org
Contact:
+91-7902080330

Address: Near Norbulingka Temple, Village Sidhpur, Dharamshala, Himachal Pradesh.

- **Digital Access versus Utility:** Despite 89% of surveyed children reporting regular smartphone and internet access, a mere 5% utilize these devices solely for education. The vast majority of usage is dominated by games and social media, actively competing with the time required for home learning.
- **The Digital Safety Gap:** 46% of surveyed children completely lack any form of digital safety training. This severe knowledge gap exposes nearly half the sample to unmoderated digital risks, highlighting an urgent need for structured safety awareness at home and in classrooms.

Summary of Findings:

The Kangra Rural Learning Assessment 2026 demonstrates that school attendance does not guarantee grade level learning, with upper primary mathematics presenting an acute systemic crisis. While structural investments at home consistently favor male students, government schools demonstrate clear academic resilience, rivaling private institutions in core STEM outcomes and serving as the primary anchor for rural girls' education. Finally, the collision of high smartphone access with overwhelming social media use and absent safety training presents a new, unmanaged barrier to rural learning that requires immediate attention.

About the Enlightened India Foundation:

The Enlightened India Foundation is a registered nonprofit trust that has served rural Kangra for five years through a fully independent self-funding model. Run entirely by local young women, the organization works to build rural systems backed by rigorous field evidence.

The full survey report is publicly available on our website www.enlightenedindia.org

Smita Choudhary
Co-founder & President
Contact: +91 7902080330
Email: president@enlightenedindia.org

ENLIGHTENED INDIA FOUNDATION

Enlightened India Foundation
Registered Non-profit Trust

NGO DARPAN ID:
UP/2022/0314311

Website:
www.enlightenedindia.org
E-mail:
contact@enlightenedindia.org
Contact:
+91-7902080330

Address: Near Norbulingka Temple, Village Sidhpur, Dharamshala, Himachal Pradesh.

ENLIGHTENED INDIA
FOUNDATION

Enlightened India Foundation
Registered Non-profit Trust

NGO DARPAN ID:
UP/2022/0314311

Website:
www.enlightenedindia.org
E-mail:
contact@enlightenedindia.org
Contact:
+91-7902080330

Address: Near Norbulingka Temple, Village Sidhpur, Dharamshala, Himachal Pradesh.

प्रेस विज्ञप्ति

नए ग्राम सर्वेक्षण से माध्यमिक विद्यालय गणित संकट, सीखने में लैंगिक असमानता और कांगड़ा के सरकारी स्कूलों की शैक्षणिक क्षमता।

धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश।

'एनलाइटन्ड इंडिया फ़ाउंडेशन' ने अपने 'कांगड़ा रूरल लर्निंग असेसमेंट 2026' के पूरे नतीजे सार्वजनिक कर दिए है। कांगड़ा ज़िले के 20 गांवों में 200 बच्चों के सीधे फ़ील्ड असेसमेंट पर आधारित यह रिपोर्ट राज्य और ज़िले के स्टेकहोल्डर्स के सामने पेश की गई है, ताकि ग्रामीण शिक्षा की असलियत पर सबूतों के आधार पर समुदाय में बातचीत शुरू हो सके।

लीड रिसर्चर और प्रेसिडेंट स्मिता चौधरी ने कहा, "हमने यह डेटा अधिकारियों के सामने इसलिए पेश किया है ताकि यह फ़ैसला लेने वालों तक पहुँचे, लेकिन हमारा असली मकसद यह है कि समुदाय इन ट्रेंड्स को समझे। हमारे सर्वे से पता चलता है कि बच्चे भले ही क्लासरूम में मौजूद हों, लेकिन मिडिल स्कूल तक पहुँचते-पहुँचते वे कॉन्सेप्ट्स को समझने में, खासकर गणित में, पिछड़ने लगते हैं। सबसे अहम बात यह है कि डेटा साबित करता है कि सरकारी स्कूल शिक्षा की रीढ़ हैं, खासकर ग्रामीण लड़कियों के लिए, और उनमें ज़बरदस्त संस्थागत मज़बूती है जिसे पूरी पहचान और समर्थन मिलना चाहिए।"

प्रमुख निष्कर्ष:

- **ग्रेड लेवल के हिसाब से समझ की उम्मीदें:** सर्वे में शामिल बच्चों में से सिर्फ़ 35% बच्चे ही अंग्रेज़ी, गणित और विज्ञान - इन तीनों मुख्य विषयों में समझ की उम्मीदों पर एक साथ खरे उतरे।
- **मिडिल स्कूल में गणित का अंतर:** ग्रेड 6 से 8 तक, यानी अपर प्राइमरी लेवल पर जाने के दौरान गणित की समझ में तेज़ी से गिरावट आती है। यह गिरावट जेंडर के आधार पर साफ़ दिखती है; इस स्टेज पर लड़कियों की काबिलियत घटकर 17% रह जाती है, जबकि लड़कों के लिए यह आंकड़ा 47% है।
- **घर में निवेश का भेदभाव:** परिवार प्राइवेट शिक्षा और अतिरिक्त मदद के मामले में लड़कों को ज़्यादा प्राथमिकता देते हैं। सर्वे से पता चलता है कि 77% लड़के प्राइवेट स्कूलों में जाते हैं, जबकि लड़कियों के मामले में यह आंकड़ा सिर्फ़ 56% है। साथ ही, लड़कों को प्राइवेट ट्यूशन भी काफ़ी ज़्यादा मिलती है (लड़कियों के 24.3% के मुकाबले लड़कों में 33.7%)।
- **सरकारी स्कूलों पर निर्भरता:** घर में पढ़ाई-लिखाई पर होने वाले खर्च में जेंडर के आधार पर भेदभाव के कारण लड़कियों को सरकारी शिक्षा पर ज़्यादा निर्भर रहना पड़ता है; सर्वे किए गए सैंपल में सरकारी स्कूलों में दाखिला लेने वालों में 71% लड़कियाँ हैं।
- **सरकारी स्कूलों की मज़बूती:** कम संसाधनों वाले परिवारों के बच्चों को पढ़ाने के बावजूद, सरकारी स्कूल पढ़ाई-लिखाई के मामले में अपनी मज़बूती दिखाते हैं। हालाँकि अंग्रेज़ी में महारत के मामले में प्राइवेट स्कूल काफ़ी आगे हैं (85% बनाम 58%), लेकिन सरकारी स्कूलों के छात्र गणित (42% बनाम 46%) और विज्ञान (65% बनाम 69%) दोनों में प्राइवेट स्कूलों के छात्रों के लगभग बराबर ही प्रदर्शन करते हैं।
- **डिजिटल एक्सेस बनाम इस्तेमाल:** सर्वे में शामिल 89% बच्चों ने बताया कि उनके पास रेगुलर स्मार्टफोन और इंटरनेट की सुविधा है, लेकिन सिर्फ़ 5% बच्चे ही इन डिवाइस का इस्तेमाल पढ़ाई के लिए करते हैं। ज़्यादातर समय गेम और सोशल मीडिया में ही बीतता है, जिससे घर पर पढ़ाई के लिए ज़रूरी समय कम हो जाता है।

ENLIGHTENED INDIA
FOUNDATION

- **डिजिटल सुरक्षा का अंतर:** सर्वे में शामिल 46% बच्चों को डिजिटल सुरक्षा की कोई ट्रेनिंग नहीं मिली है। जानकारी की इस भारी कमी की वजह से लगभग आधे बच्चे बिना किसी निगरानी वाले डिजिटल जोखिमों के संपर्क में आ जाते हैं, जिससे घर और क्लासरूम में व्यवस्थित सुरक्षा जागरूकता की तत्काल ज़रूरत का पता चलता है।

निष्कर्षों का सारांश:

कांगड़ा ग्रामीण लर्निंग असेसमेंट 2026 से पता चलता है कि स्कूल में उपस्थिति इस बात की गारंटी नहीं देती कि छात्र अपनी कक्षा के स्तर के अनुसार सीख रहे हैं; खासकर अपर प्राइमरी स्तर पर गणित की शिक्षा में एक गंभीर सिस्टम-संबंधी संकट दिखाई देता है। जहाँ घरों में संसाधनों का निवेश अक्सर लड़कों के पक्ष में होता है, वहीं सरकारी स्कूल पढ़ाई-लिखाई के मामले में मज़बूती दिखाते हैं; वे मुख्य STEM (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ) परिणामों में प्राइवेट स्कूलों को टक्कर देते हैं और ग्रामीण लड़कियों की शिक्षा के लिए मुख्य आधार बने हुए हैं। अंत में, स्मार्टफोन तक आसान पहुँच, सोशल मीडिया का अत्यधिक इस्तेमाल और सुरक्षा से जुड़ी ट्रेनिंग की कमी मिलकर ग्रामीण शिक्षा के लिए एक नई और अनियंत्रित बाधा खड़ी करते हैं, जिस पर तुरंत ध्यान देने की ज़रूरत है।

एनलाइटन्ड इंडिया फ़ाउंडेशन के बारे में:

एनलाइटन्ड इंडिया फ़ाउंडेशन एक रजिस्टर्ड नॉन-प्रॉफ़िट ट्रस्ट है, जो पूरी तरह से स्वतंत्र और खुद से फ़ंड जुटाने वाले मॉडल के ज़रिए पाँच सालों से ग्रामीण कांगड़ा में सेवा कर रहा है। यह संस्था पूरी तरह से स्थानीय युवतियों द्वारा चलाई जाती है और ज़मीनी स्तर पर मिले ठोस सबूतों के आधार पर ग्रामीण सिस्टम को बेहतर बनाने का काम करती है।

सर्वे की पूरी रिपोर्ट हमारी वेबसाइट www.enlightenedindia.org पर सबके लिए उपलब्ध है।

स्मिता चौधरी
सह-संस्थापक और अध्यक्ष
संपर्क: +91 7902080330
ईमेल: president@enlightenedindia.org

Enlightened India Foundation
Registered Non-profit Trust

NGO DARPAN ID:
UP/2022/0314311

Website:
www.enlightenedindia.org
E-mail:
contact@enlightenedindia.org
Contact:
+91-7902080330

Address: Near Norbulingka Temple, Village Sidhpur, Dharamshala, Himachal Pradesh.